सौर ऊर्जा से रोशन किए जाएंगे गांव

5000 से अधिक आबादी वाले गांवों का होगा चयन, महंगी बिजली से लोगों को मिलेगी राहत

संवाद न्यूज एजेंसी

महराजगंज। जिले में 5000 से अधिक की आबादी वाले गांवों को सोलर मॉडल बनाया जाएगा। इससे बिजली की समस्या दूर होगी। सोलर मॉडल गांव में घरेलू के अलावा कृषि संबंधी कार्य भी आसानी से हो जाएंगे।

बदल रहा है महराजगंज

ए क गांव में करीब एक करोड़ से अधिक रुपये खर्च होंगे। गांव के हर घर में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे और कृषि यंत्रों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा। गांव में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों को बिजली की महंगी दरों से राहत मिलेगी।

जानकारी के अनुसार, जिले में एक ग्राम पंचायत को मॉडल सोलर गांव के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत गांव के हर घर में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे और कृषि यंत्रों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत इस मॉडल सोलर गांव को चयनित किया जाएगा।

परतावल क्षेत्र में लगा सोलर पैनल। स्रोत-स्वयं

सौर ऊर्जा आधारित कृषि सुविधाएं

इस योजना के तहत, गांव में कृषि कार्यों के लिए सोलर पंप की व्यवस्था की जाएगी। इससे खेतों में पानी की आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा आधारित पंप लगाए जाएंगे। इससे किसानों को सस्ते और स्थिर स्रोत से पानी मिलेगा। सोलर पंपों के माध्यम से किसानों को अब बिजली की कटौती या लागत की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके अलावा सौर ऊर्जा से अन्य कृषि यंत्रों को भी संचालित किया जा सकेगा।

एक पंचायत का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नेडा विभाग की ओर से किया जाएगा, जो सौर ऊर्जा संसाधनों से लैस होगा। गांव के हर घर में सोलर होम लाइट सिस्टम के तहत सौर ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इससे न केवल बिजली की लागत में कमी आएगी, बल्कि ग्रामीणों को बेहतर और सस्ती बिजली मिलेगी।

सोलर पैनल का उपयोग करते हुए घरों की रोशनी, पंखे और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चलाए जाएंगे।

इससे बिजली के बिल में कमी आएगी। इस पहल से बिजली के संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को सस्ती ऊर्जा की आपूर्ति होगी।

सर्वे के बाद चुने जाएंगे गांव

नेडा विभाग की टीम चुनी गई ग्राम पंचायत का सर्वे करेगी। इसके आधार पर सौर ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं के लिए बजट तय किया जाएगा। सर्वे में यह निर्धारित किया जाएगा कि हर परिवार के लिए कितने सोलर पैनल और अन्य सौर ऊर्जा उपकरण की आवश्यकता है। इसके अलावा गांव के सार्वजनिक स्थलों का सर्वे किया जाएगा। इसमें पंचायत के धार्मिक स्थानों, शैक्षिक संस्थानों और खेल मैदानों को शामिल किया जाएगा। इन सभी प्रमुख स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाने की योजना तैयार की जाएगी। इस मॉडल सोलर गांव को एक आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य न केवल ग्रामीणों को सस्ती और बेहतर बिजली प्रदान करना है, बल्कि इस पहल से पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। सौर ऊर्जा का उपयोग करने से पारंपरिक बिजली उत्पादन से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी और कार्बन उत्सर्जन घटेगा, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक कदम होगा।

सोलर जल प्रणाली व सार्वजनिक स्थलों पर सोलर लाइट्स

गांव में सौर आधारित जल प्रणाली भी विकसित की जाएगी। इससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी। पानी की आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने से न केवल बिजली बचाई जा सकेगी। बल्कि यह एक स्थाई और पर्यावरण के अनुकूल समाधान होगा। इसके अलावा, गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाने की योजना है। इससे रात में पूरे गांव को सौर ऊर्जा से रोशन किया जा सकेगा। सोलर स्ट्रीट लाइट्स की मदद से गांव की सड़कों और गलियों में सुरक्षा भी बढ़ेगी और लोग बिना किसी डर के रात के समय बाहर जा सकेंगे।

एक ग्राम पंचायत को एक करोड़ रुपये से माडल सोलर गांव बनाया जाएगा। इसमें जिस गांव की आबादी 5000 से अधिक होगी। उसमें से एक पंचायत का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नेडा विभाग की ओर से किया जाएगा। इसमें सीडीओ, उप कृषि निदेशक और जिला कृषि अधिकारी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत चयनित गांव को सौर ऊर्जा पर आधारित एक आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। **-गोविंद तिवारी,** *परियोजना अधिकारी नेडा*